मन का मीत

ओ बाबा....
ओ बाबा तुमसे नहीं है कोई शिकवा गिला,
मुझको जो कुछ मिला तेरे दर से मिला,
ओ बाबा तुमसे नहीं है....

बन के मन का मीत मेरे मुझको मिला तू,
तुमने पोंछ डाले मेरी अँखियो के आंसू,
ओ बाबा...
ओ बाबा सर पे हाथ धार के दिया मुझे हौंसला,
मुझको जो कुछ मिला तेरे दर से मिला,
ओ बाबा....

रूठा ज़माना एक तू ही नहीं रूठा,
मुझसे है बाबा तेरा दर नहीं छूटा,
ओ बाबा...
ओ बाबा दर तेरे आने का ना टूटा सिलसिला,
मुझको जो कुछ मिला तेरे दर से मिला,
ओ बाबा...

रोमी को तेरे रहते कुछ ना कमी है,
बड़ी मौज से कटरही ज़िन्दगी है,
ओ बाबा...
ओ बाबा भक्ति का तेरी पाया ऐसा सिला,
मुझको जो कुछ मिला तेरे दर से मिला,
ओ बाबा...

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27102/title/man-ka-meet

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |